

अध्याय - 4

वित्तीय योजना तथा व्यक्तिगत जीवन चक्र

1. वित्तीय योजना: यह एक प्रक्रिया है व्यक्ति के जीवन के उद्देश्यों को पहचानने की, इन निर्धारित लक्ष्यों को वित्तीय उद्देश्यों में परिवर्तित करने की तथा व्यक्ति के वित्तीय साधनों को इस प्रकार प्रबन्धन करने की जिससे इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता हो सके।

2. बचत का दो संयुक्त निर्णयों के रूप में विचार किया जा सकता है

(क) खपत का स्थगन: वर्तमान एवं भविष्य के उपभोग में संसाधनों का आबंटन।

(ख) तरलता का त्याग: कमतर तरल आस्तियों के लिए बदले में तरलता का त्याग करना, उदाहरणार्थ: जीवन बीम पॉलिसी खरीदना दर्शाता है कि धन को एक ऐसे अनुबन्ध से बदला गया है जो कमतर तरल है। वित्तीय योजना में दोनों प्रकार के निर्णय सम्मिलित हैं।

3. जीवन की अवस्थाएं

(क) बचपन की अवस्था: जब कोई विद्यार्थी काल या शिक्षण-काल में होता है।

(ख) युवा अविवाहित अवस्था: जब कोई व्यक्ति अपनी जीविका कमाना प्रारम्भ करता है किन्तु अकेला होता है।

(ग) युवा विवाहित अवस्था: जब व्यक्ति एक जीवन साथी बन जाता है।

(घ) विवाहित छोटे बच्चों के साथ: जब व्यक्ति माता या पिता बनता (ती) है।

(ङ) विवाहित बड़े बच्चों के साथ: जब कोई व्यक्ति प्रदाता बनता है जोकि बड़े होते हुए बच्चों की शिक्षा तथा अन्य आवश्यकताओं की परवाह करने लगता है।

(च) बाद का परिवार/सेवा-निवृत्ति से पूर्व की अवस्था: जब बच्चे स्वावलंबी हो जाते हैं तथा घर छोड़ देते हैं, ठीक वैसे ही जैसे कि चिड़ियां अपने पीछे घोंसला छोड़ देती हैं।

(छ) सेवा-निवृत्ति की अवस्था: जब व्यक्ति अपने संध्या-काल से गुजरता है। ऐसे समय के लिए यदि व्यक्ति ने बचत की हुयी है तथा पर्याप्त प्रावधान कर लिया है तो वह सम्मान पूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर सकता है।

4. वित्तीय योजना के तत्व:

(क) निवेश

(ख) जोखिम

(ग) सेवा-निवृत्ति योजना

(घ) कर एवं भू-सम्पत्ति की योजना

(ङ) अपनी आवश्यकताओं के लिए वित्त-व्यवस्था

5. हमारे समाज में हमारे ग्राहकों के सामने चुनौतियां

(क) संयुक्त परिवारों का टूटना (विघटन)।

- (ख) निवेश के बहु-विकल्प।
- (ग) बदलती हुयी जीवन शैली।
- (घ) मुद्रास्फीति।
- (ङ) अन्य आकस्मिकताएं एवं आवश्यकताएं

6. वित्तीय योजना सलाहकार सेवाएं

- (क) नकद-धन योजना
- (ख) निवेश योजना
- (ग) बीमा योजना
- (घ) सेवा-निवृत्ति योजना
- (ङ) कर -योजना
- (च) भू-सम्पत्ति योजना

7. वे परिसीमाएं जिनपर निवेश के निर्णय आधारित हैं

- (क) विविधीकरण
- (ख) कर-विचार
- (ग) जोखिम सहिष्णुता
- (घ) समय-सीमा
- (ङ) तरलता
- (च) विपणन क्षमता

8. सेवा-निवृत्ति के पक्ष

- (क) संचय
- (ख) बचाव या संरक्षण
- (ग) वितरण